



1 May, 2024

एगशेल स्कल रूल/नियम

संदर्भ: उच्चतम न्यायालय ने 'एगशेल स्कल रूल/नियम' कानूनी सिद्धांत को गलत तरीके से लागू करने के लिए निचली अदालतों की आलोचना करते हुए चिकित्सा लापरवाही मामले में 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

➤ एगशेल स्कल रूल/नियम क्या है ?

- एगशेल स्कल रूल/नियम यह निर्देशित करता है, कि एक अपकृत्यकर्ता (कोई व्यक्ति जो अपकृत्य करता है) अपने लापरवाह कार्यों के परिणामस्वरूप होने वाले सभी परिणामों के लिए जिम्मेदार है, भले ही पीड़ित को पहले से मौजूद कमजोरियों के कारण असामान्य रूप से उच्च क्षति हुई हो।
- यह वादी की शारीरिक, सामाजिक और आर्थिक विशेषताओं के साथ-साथ उनके पारिवारिक और सांस्कृतिक वातावरण पर भी ध्यान में रखता है, जो उन्हें अधिक संवेदनशील बना सकता है।

➤ कानूनी प्रक्रिया:

- यह विधान अपकृत्य के सभी क्षेत्रों में लागू होता है, जिसमें जानबूझकर, लापरवाही और दायित्व के मामलों के साथ-साथ आपराधिक कानून भी शामिल है।

➤ कोई शारीरिक संपर्क की आवश्यकता नहीं;

- यदि किसी अतिचारी की उपस्थिति के डर के कारण पीड़ित को घातक दिल का दौरा पड़ता है, तो अतिचारी क्षति के लिए उत्तरदायी है।

➤ क्रम्बलिंग स्कल रूल/नियम और एगशेल स्कल रूल/नियम में अंतर:

- क्रम्बलिंग स्कल रूल से भिन्न, जहां एक वादी पहले से मौजूद स्थिति से पीड़ित होता है; वर्तमान अत्याचार के कारण खराब हो जाती है।
- क्रम्बलिंग स्कल रूल में, उन्हें नई परिघटनाओं से अलग करने और क्षति को उचित रूप से बांटने के लिए पूर्व स्थितियों पर विचार किया जाता है।

➤ सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्पष्टीकरण:

- उच्चतम न्यायालय के अनुसार एगशेल वाले व्यक्ति किसी कार्य के गंभीर प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, एक "सामान्य व्यक्ति" के विपरीत जो इसका सामना कर सकता है, फैसले में नियमत: आवेदन की प्रकृति पर जोर दिया।

➤ उद्देश्य और अनुप्रयोग:

- प्रतिवादी के कार्यों को देखते हुए, सामान्य परिस्थितियों में अपेक्षा से अधिक बड़े हुए मुआवजे का दावा करने के लिए इस नियम को लागू किया जाता है।
- यह नियम इस बात को भी सुनिश्चित करता है, कि पीड़ित की अवस्था सामान्य प्रत्याशाओं से अधिक होने वाली क्षति के लिए प्रतिवादियों को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

➤ उत्पत्ति और कानूनी मिसालें:

- एगशेल स्कल नियम की उत्पत्ति वर्ष 1891 में विस्कॉन्सिन, अमेरिका में वोसबर्ग बनाम पुटनी मामले से मानी जाती है।
- इसके बाद, किंस बेंच के मामले में, एक गर्भवती महिला को हर्जाना दिया गया था, जिसे गंभीर सदमा लगा, जिस कारण उसके बच्चे का जन्म समय से पहले हुआ था, यहाँ पीड़ित की अवस्था में बिना सिद्धांत के आवेदन पर जोर दिया गया।

➤ विविधताएं और संदर्भ:

- एगशेल स्कल नियम को कभी-कभी 'थिन स्कल नियम' के रूप में भी जाना जाता है, जो विभिन्न कानूनी संदर्भों में इसके अनुप्रयोग को दर्शाता है, जहां पीड़ितों की कमजोरियों पर विचार किया जाता है।

भारत माइक्रोप्लास्टिक के शीर्ष 4 योगदानकर्ताओं में शामिल

संदर्भ: एक हालिया नई रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 के अंत तक, 217 देश सामूहिक रूप से दुनिया के जलमार्गों में 3,153,813 टन माइक्रोप्लास्टिक मुक्त करेंगे।

➤ देशों द्वारा जारी माइक्रोप्लास्टिक:

- वर्ष 2024 के अंत तक, 217 देश सामूहिक रूप से 3,153,813 टन माइक्रोप्लास्टिक जलमार्गों में मुक्त करेंगे।
- चीन, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान इस कार्य में 51% का योगदान देंगे।
- माइक्रोप्लास्टिक के निर्मुक्ति में भारत का योगदान 391,879 टन होगा, जो इसे चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा प्रदूषक उत्पन्न करने वाला देश बना देगा।

➤ माइक्रोप्लास्टिक्स और रासायनिक योजकों का प्रभाव:

- माइक्रोप्लास्टिक्स, 5 मिलीमीटर से छोटे कण, टायर घर्षण और अनुचित अपशिष्ट निपटान जैसे स्रोतों से उत्पन्न होते हैं।
- भारी धातुओं और ज्वाला मंदक सहित माइक्रोप्लास्टिक्स में विभिन्न रासायनिक योजक, जल निकायों में जमा होते हैं और स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न करते हैं।
- वर्ष 2024 में, 291,071 टन रासायनिक योजक जलमार्गों में मुक्त किये जाएंगे, जिसमें भारत चीन के बाद दूसरे सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में होगा।

➤ भारत के प्रयास और सिफारिशें:

- भारत ने 2023 में अपने जल निकायों में माइक्रोप्लास्टिक की उपस्थिति को स्वीकार किया।
- अंतर सरकारी वार्ता समिति (INC-4) में, भारत ने जलमार्गों में प्लास्टिक के मुक्त करने की प्रक्रिया को रोकने के लिए वैज्ञानिक नवाचार की की सिफारिश की है।
- भारत ने घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचे और विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (EPR) के महत्व पर जोर दिया।
- इसमें सुझाव दिया गया है, कि प्लास्टिक निर्माण में उपयोग किए जाने वाले रसायनों के संबंध में निर्णय वैज्ञानिक साक्ष्य और पारदर्शी प्रक्रियाओं पर आधारित होने चाहिए।
- भारत ने यह रुख दोहराया कि ईपीआर तंत्र राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को शामिल नहीं करना चाहिए।

➤ वैश्विक प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन:

- अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार के बावजूद, 2021 के बाद से प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन में 7.11% की वृद्धि हुई है।
- चालू वर्ष में विश्व में 220 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ।
- लेखक प्लास्टिक संकट को हल करने के लिए केवल रीसाइक्लिंग और अपशिष्ट प्रबंधन पर निर्भर रहने के प्रति आगाह करते हैं।
- वे प्लास्टिक उत्पादन और खपत को संबोधित करने के लिए व्यापक रणनीतियों की आवश्यकता पर जोर देते हैं।

Country	Microplastics in waterways (in tons)	Chemical additives pollution in waterways (in tons)
China	787,069	59,208
India	391,879	31,483
United States	267,248	6,797
Japan	156,482	854
Indonesia	78,625	7,830
Germany	74,220	2,614
Pakistan	59,164	7,169
Korea	56,738	291
France	53,549	958
Saudi Arabia	51,195	4,852
Russian Federation	50,831	13,482
Brazil	49,717	10,847
United Kingdom	46,323	1,039
Italy	43,437	2,571
Bangladesh	40,909	5,132
Thailand	40,072	6,238
Spain	38,073	794
Mexico	32,511	9,076
Vietnam	30,713	8,653
Canada	30,341	686

Source: EA Earth Action - Get the data - Created with Datawrapper

Face to Face Centres





1 May, 2024

एशिया और प्रशांत के लिए क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक

संदर्भ: एशिया और प्रशांत के लिए क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक पर अपनी नवीनतम टिप्पणियों के अनुसार, आईएमएफ का कहना है, कि सार्वजनिक निवेश भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के लिए आवश्यक है।

एशिया-प्रशांत के लिए क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक:

- एशिया और प्रशांत तेजी से अवस्फिति और लचीलेपन विकास के साथ इस समय संतुलन की स्थिति में पहुंच रहे हैं।
- अवस्फिति की गति और विकास स्तर के संबंध में कई विविधताएं देखी जाती रही हैं।
- इसलिए संदर्भित नीतियों को व्यक्तिगत देश-विशिष्ट आवश्यकताओं और परिस्थितियों के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है।

आर्थिक प्रदर्शन:

- वर्ष 2023 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधि उम्मीदों से अधिक रही, इस क्षेत्र में 5.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- उभरते बाजारों ने मजबूत घरेलू मांग के कारण एक अविश्वसनीय आश्चर्य का अनुभव किया।
- समय पर मौद्रिक सख्ती और कमोडिटी की कीमतों में गिरावट सहित विभिन्न कारकों के कारण, विशेष रूप से उभरते एशिया में, हेडलाइन मुद्रास्फीति में गिरावट जारी रही।

विकास अनुमान:

- वर्ष 2024 में एशिया और प्रशांत क्षेत्र की वृद्धि मामूली धीमी होकर 4.5 प्रतिशत होने का अनुमान है, इस क्षेत्र का वैश्विक विकास में लगभग 60 प्रतिशत योगदान है।
- वर्ष 2025 में विकास दर और धीमी होकर 4.3 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें चीन की संरचनात्मक मंदी एक प्रमुख कारक होगी।

जोखिम और चुनौतियाँ:

- निकट अवधि के जोखिम सामान्यतः संतुलित हैं, लेकिन फिर भी मुद्रास्फीति में कमी के कारण संतुलन की संभावना और अधिक बढ़ गई है।
- इस हेतु भू-आर्थिक विखंडन और भू-राजनीतिक तनाव मध्यम अवधि के विकास के लिए गंभीर नकारात्मक जोखिम उत्पन्न करते हैं।

- इस संदर्भ में चीन की संपत्ति अनुमान से अधिक सुधार दर्शाता है, जो एक नकारात्मक जोखिम है, जबकि बढ़ा हुआ नीतिगत समर्थन एक विपरीत जोखिम दर्शाता है।

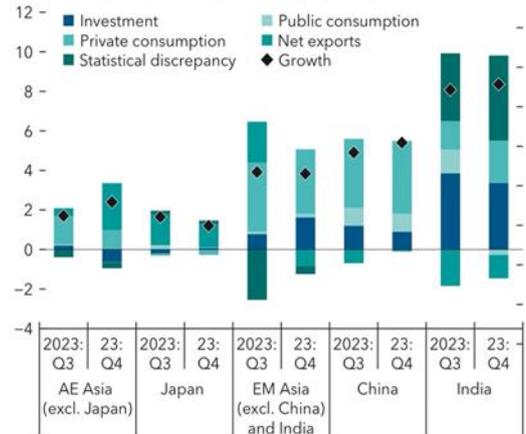
भारत की वृद्धि और मुद्रास्फीति:

- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया गया है।
- खाद्य कीमतों का दबाव, विशेषकर चावल, भारत की अवस्फिति को धीमा कर सकता है।
- भारत और फिलीपींस के निरंतर सकारात्मक विकास आश्चर्य के स्रोत रहे हैं।

नीतिगत सिफारिशें:

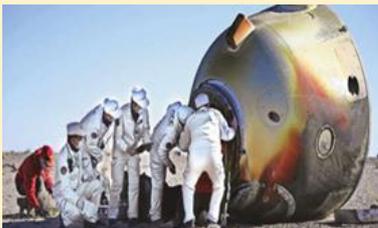
- केंद्रीय बैंकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए, कि मुद्रास्फीति लक्ष्य के अनुरूप सुचारू रूप से संचालित हो और घरेलू मूल्य स्थिरता को प्रोत्साहित किया जाए।
- नीति निर्माताओं को अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा प्रत्याशित ब्याज दरों पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहिए।
- मध्यम अवधि की संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करने और उच्च ऋण स्तर के बोझ को कम करने के लिए राजकोषीय समेकन को वृद्धि योग्य बनाना अत्यावश्यक है।

Figure 2. Contributions to Growth
(Year-over-year growth; percentage points)



NEWS IN BETWEEN THE LINES

शेनझोउ 17



हाल ही में, शेनझोउ-17 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान का कैप्सूल तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने के मिशन को पूरा करने के बाद, उत्तरी चीन में डोंगफेंग लैंडिंग स्थल पर सुरक्षित रूप से उतरा।

शेनझोउ 17 के बारे में:

- शेनझोउ 17 एक चीन अंतरिक्ष यान है जो 26 अक्टूबर, 2023 को तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए प्रक्षेपित किया गया था।
- अंतरिक्ष यान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एस्ट्रोनॉट कॉर्प्स (पीएलएएसी) के तीन अंतरिक्ष यात्रियों (तांग होंगबो, तांग शेंगजी और जियांग शिनलिन) को शेनझोउ अंतरिक्ष यान पर ले गया।
- चालक दल के प्राथमिक कार्यों में अंतरिक्ष चिकित्सा और प्रौद्योगिकी में प्रयोग करना, स्टेशन के अंदर एवं बाहर उपकरण स्थापित करना और रखरखाव करना शामिल है।
- चालक दल की औसत आयु 38 वर्ष है, जो उन्हें अंतरिक्ष में जाने वाली सबसे कम उम्र की टीम बनाती है।
- शेनझोउ 17 अंतरिक्ष यान लॉन्ग मार्च 2F रॉकेट पर लॉन्च होने के लगभग 6.5 घंटे बाद तियांगोंग पहुंचा।

Face to Face Centres





1 May, 2024

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस



अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के बारे में:

- अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस, जिसे मई दिवस या कामगार दिवस के नाम से भी जाना जाता है, हर साल 1 मई को मनाया जाता है।
- इस वर्ष बदलते वातावरण में कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है (Ensuring safety and health at work in changing climate.)।
- यह दिन दुनिया भर में मजदूर आंदोलन के ऐतिहासिक संघर्षों और बलिदानों को याद करने का अवसर होता है। भारत, क्यूबा और चीन सहित 80 से अधिक देशों में इसे मनाया जाता है।

मई दिवस का इतिहास:

- 1 मई, 1886 को, शिकागो में मजदूरों ने आठ घंटे के कार्यदिवस की मांग करते हुए हड़ताल का आयोजन किया।
- शिकागो में श्रमिकों के अधिकारों के समर्थन में आयोजित एक शांतिपूर्ण रैली के दौरान हेमार्केट हादसा हुआ।
- रैली में हुए एक बम विस्फोट के कारण पुलिस के साथ हिंसक झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप हताहत हुए लोगों को "हेमार्केट शहीद" के रूप में सम्मानित किया गया।
- 1889 में, समाजवादी दलों की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस ने दुनिया भर में श्रमिकों के संघर्षों का सम्मान करने के लिए 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में घोषित किया।

भारत में मजदूर दिवस:

- भारत ने अपना पहला मजदूर दिवस 1 मई, 1923 को चेन्नई में मनाया था, जिसका आयोजन हिंदुस्तान के लेबर किसान पार्टी द्वारा किया गया था।
- भारतीय संविधान मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति निदेशक तत्वों सहित श्रमिकों के अधिकारों के लिए कई सुरक्षा उपाय प्रदान करता है।
- संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(c), 21, 23, 24, 39(ए), 41, 42 और 43 समान व्यवहार, संघ बनाने का अधिकार और बंधुआ मजदूरी के निषेध जैसे श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा की रूपरेखा तैयार करते हैं।

पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर के पिंगला ब्लॉक में नया गांव पारंपरिक पटचित्र (स्कॉल पेंटिंग) कलाकारों का केंद्र है।

पटचित्र के बारे में:

- पटचित्र, जिसका अर्थ है "कपड़ा पेंटिंग", पूर्वी भारतीय राज्यों पश्चिम बंगाल और ओडिशा से उत्पन्न एक पारंपरिक कला है।
- पटचित्र पेंटिंग की विशेषता जटिल विवरण, जीवंत रंग और विस्तृत कहानी है।
- वे अक्सर कलाकार की रचनात्मकता और कल्पना को प्रदर्शित करते हुए पौराणिक कथाओं, लोककथाओं, धार्मिक विषयों और रोजमर्रा के ग्रामीण जीवन के दृश्यों को चित्रित करते हैं।
- पटचित्र कलाकार आमतौर पर कपड़े, हस्तनिर्मित कागज, प्राकृतिक रंगद्रव्य और जानवरों के बालों से बने ब्रश जैसी प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करते हैं।
- पिंगला पटचित्र कला के लिए एक वैश्विक बाजार बन गया है, जो गैर-लाभकारी और यूनेस्को जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा समर्थित है।

पटुआस

- पटचित्र कलाकार, जिन्हें पटुआ के नाम से जाना जाता है, इस पारंपरिक कला रूप को संरक्षित और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- पटुआ पारंपरिक स्कॉल चित्रकारों का एक समुदाय है जो मुख्य रूप से पूर्वी भारतीय राज्यों पश्चिम बंगाल और ओडिशा में पाया जाता है।
- वे अक्सर घनिष्ठ समुदायों का हिस्सा होते हैं जहां कलात्मक कौशल पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होते हैं, जिससे परंपरा की निरंतरता सुनिश्चित होती है।
- कई पटुआओं के लिए, पटचित्र पेंटिंग न केवल एक सांस्कृतिक परंपरा है, बल्कि आजीविका का एक साधन भी है, जो उनके परिवारों के लिए आय प्रदान करती है।
- बाजार पहुंच, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सरकारी पहलों के माध्यम से पटुआस की आर्थिक स्थिरता को समर्थन और बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- स्वर्ण सहित महिला पटुआ अपनी कलाकृति ऑनलाइन बेचती हैं और उत्पादों को अनुकूलित करती हैं, जिससे कला की निरंतरता और सामुदायिक आजीविका सुनिश्चित होती है।

हाल ही में शोधकर्ताओं ने लैटिन अमेरिकी देश मैक्सिको में दुनिया का सबसे गहरा ब्लू होल टाम जा ब्लू होल (टीजेबीएच) खोजा है।

टाम जा' ब्लू होल के बारे में

- टाम जा' ब्लू होल मैक्सिको के चेतुमल खाड़ी में स्थित एक पानी के नीचे का सिंकहोल है और यह दुनिया का दूसरा सबसे गहरा ज्ञात ब्लू होल है।
- यह समुद्र तल से कम से कम 1,380 फीट (420 मीटर) की गहराई तक गिरता है, और पिछले रिकॉर्ड धारक, दक्षिण चीन सागर में ड्रैगन होल को भी पीछे छोड़ देता है।
- ब्लू होल पुलनशील आधारशिला के ढहने से बनी भूवैज्ञानिक संरचनाएं हैं, जो पानी से भरी ऊर्ध्वाधर गुफाओं का निर्माण करती हैं।
- इसे पहली बार 2021 में खोजा गया था और हाल के मापों से इसकी वास्तविक गहराई और आयाम का पता चला है।
- टाम जा' ब्लू होल के विशाल विस्तार से पता चलता है कि यह पनडुब्बी गुफाओं और सुरंगों के नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है, जो अज्ञात हैं।
- अन्य ब्लू होल की तरह, टाम जा' ब्लू होल जैव विविधता के लिए एक हॉटस्पॉट है, जो मूंगे, समुद्री कछुए और शार्क सहित समुद्री जीवन की एक विविध श्रृंखला की मेजबानी करता है।

टाम जा' ब्लू होल





1 May, 2024

केंदु पत्ते



हाल ही में, ओडिशा में 100 से अधिक ग्राम सभाओं ने पारंपरिक बिचौलियों संरचनाओं को दरकिनार करते हुए सीधे केंदु पत्ते बेचकर अपने वन अधिकारों का प्रयोग करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

केंदु पत्तियों के बारे में:

- इस पेड़ को आमतौर पर "तेंदू" के नाम से जाना जाता है, लेकिन आंध्र प्रदेश में इसे "अबनुस", उड़ीसा और पश्चिम बंगाल में "केंदु", गुजरात में "टेम्बू", केरल में "कारी", महाराष्ट्र में "टेम्भुनी" और "बाली" तथा "तमिलनाडु में तुपरा" कहा जाता है। पेड़ का वानस्पतिक नाम डायोस्पायरोस मेलानोक्सीयोन है।
- केंदु के पत्ते, जिन्हें कुछ क्षेत्रों में तेंदू पत्ते के रूप में भी जाना जाता है, भारत के मूल निवासी डायोस्पायरोस मेलानोक्सीयोन पेड़ की पत्तियां हैं।
- केंदु के पत्तों का उपयोग मुख्य रूप से बीड़ी बनाने के लिए किया जाता है, जो पारंपरिक भारतीय सिगरेट हैं।
- इनके औषधीय गुणों के कारण इन्हें पारंपरिक चिकित्सा में भी उपयोग किया जाता है।
- केंदु की पत्तियां भारत में कई आदिवासी समुदायों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में काम करती हैं, खासकर ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे राज्यों में।
- केंदु पत्तों का संग्रहण और व्यापार राज्य सरकारों द्वारा, अक्सर वन विभागों के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है।
- जनजातीय समुदायों का अक्सर उन जंगलों पर प्रथागत अधिकार होता है जहाँ केंदु के पत्ते उगते हैं।
- वन अधिकार अधिनियम (2006) इन अधिकारों को मान्यता देता है और समुदायों को वन संसाधनों का स्थायी प्रबंधन और उपयोग करने का अधिकार देता है।

भारत और क्रोएशिया ने 30 अप्रैल, 2024 को नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श का 11वां सत्र आयोजित किया।

क्रोएशिया (राजधानी: ज़गरेब)

अवस्थिति : क्रोएशिया मध्य और दक्षिणपूर्व यूरोप के चौराहे पर स्थित एक देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: क्रोएशिया अपनी राजनीतिक सीमाएँ सर्बिया (पूर्व), हंगरी (उत्तरपूर्व), स्लोवेनिया (उत्तरपश्चिम), बोस्निया और हर्जेगोविना और मॉन्टेनेग्रो (दक्षिणपूर्व) के साथ और समुद्री सीमा इटली (पश्चिम) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- क्रोएशिया का उच्चतम बिंदु दिनारा पीक है।
- क्रोएशिया के समुद्र तट पर कई द्वीप हैं, जिनमें सबसे प्रसिद्ध हवार, कोर्कुला, ब्राक और पाग हैं।

राजनीतिक संरचना: क्रोएशिया एक संसदीय गणतंत्र है, जिसमें राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख और प्रधान मंत्री सरकार का प्रमुख होता है।

सदस्यता: क्रोएशिया संयुक्त राष्ट्र (यूएन), यूरोपीय संघ (ईयू), उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।



सुर्खियों में स्थल

क्रोएशिया

POINTS TO PONDER

- हाल ही में तीरंदाजी विश्व कप में पुरुषों की रिकर्व स्पर्धा में किस देश ने स्वर्ण पदक जीता? – भारत
- हाल ही में समाचारों में उल्लेखित 'फेंटेनल' क्या है? – सिंथेटिक ओपिओइड दवा
- हाल ही में खबरों में रहा शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य कहाँ स्थित है? – राजस्थान
- हाल ही में किस मंत्रालय ने रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को अधिकृत आर्थिक संचालक (ईईओ) का दर्जा प्रदान किया है? – वित्त मंत्रालय
- हाल ही में समाचारों में देखी गई हरित वर्गीकरण क्या है? – पर्यावरण के अनुकूल निवेशों को वर्गीकृत करने के लिए एक प्रणाली

Face to Face Centres

